मासिक

यमुना प्राधिकरण

संभावनाओं का शहर ...

संपादक मंडल

- अच्छे लाल सिंह यादव (उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी) संपादक
- शैलेन्द्र कुमार भाटिया (विशेष कार्याधिकारी) सह संपादक

मंगलवार, 24 मई, 2016

अंक - 4, वर्ष - 1, पेज - 4

ये बूंदे बदला ले रही हैं!

आसमान से टपकती पानी की बूंदें
मिटाती हैं चिडियों की प्यास,
उपजे फुनगियों की प्यास
और इस धरा की प्यास।
धरा इन बूंदों को अपने कंठ
में रखती हैं, बचाकर,
अपनो के लिये।
अपने इन बूंदो को खोद कर,
बोर कर,
पाईप से निकाल कर पीते और सींचते है,
मनचाहा।
अपनी जरूरतों से
ज्यादे बहाता यह मनुष्य
अब चिल्ला रहा है, इन बूंदो के लिये।
ये बूंदे अब बदला
ले रही हैं, अपने ऊपर हुये
दोहन
के विरुद्ध खड़ी ये बूंदे,
अब कंठ से बहुत दूर चली
गयी हैं, इनके जाने से
धरा की त्वचा सूख गयी है,
उसमें दरारें पडने लगी है,
ये दरारें, भी अब
किसान की दरारें
बनने लगी हैं,
ये बूंदे रो रही हैं, रुला रही हैं,
बूंदो ने यात्रा भी शुरु कर दी हैं,
कंटेनरों में भरकर पटरियों पर दौड रही हैं।
ये बूंदे
अब भी रहना चाहती हैं, पास।
आओं आसमान से
टपकती इन बूंदों को
संजो लें, सरक्षित कर लें,
संभाल लें,
कल के लिये। नहीं
तो पानी की ये बूंदे
बार-बार बदला लेगी।

-शैलेन्द्र कुमार भाटिया

आवासीय भूखण्ड योजना RPS03/16 का ड्रा संपन्न

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की आवासीय भूखण्ड योजना-RPS-03/2016 के अन्तर्गत 120 वर्गमीटर के 1200, 162 वर्गमीटर के 300 तथा 200 वर्गमीटर के 330 भूखण्डों का ड्रॉ निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप दिनांक 18.05.2016 को प्रात: 10.30 बजे से निर्धारित स्थल सामुदयिक भवन, सैक्टर पी-3, ग्रेटर नौएडा पर सम्पन्न हुआ।

ड्रॉ स्थल पर तीन प्रेक्षकगण जे.पी. गुप्ता, सेवानिवृत्त जिला जज पी.सी. अग्रवाल, सेवानिवृत्त जिला जज, टी.एन. सिंह, सेवानिवृत्त आई.ए.एस. की उपस्थिति एवं प्राधिकरण के उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एस) की अध्यक्षता में सदस्य के रूप में महाप्रबन्धक (वित्त), उप महाप्रबन्धक (परियोजना), महाप्रबन्धक (नियोजन), की उपस्थिति में ड्रॉ सम्पन्न किया गया। ड्रॉ स्थल पर जन सामान्य एवं आवेदकगण

भी उपस्थित थे। ड्रॉ में शान्ति व्यवस्था बनाये रखने हेतु पुलिस बल भी उपस्थित रहा।

शेष पेज-2 पर

आवासीय भूखण्ड...

ड्रॉ को मैनुअल लाटरी ड्रॉ की प्रक्रिया के तहत दो पारदर्शी सिलेन्ड्रिकल ड्रम्स जिसमे एक ड्रम्स में आवेदक की स्लिप एवं दूसरे ड्रम्स में रिक्त भुखण्डों की स्लिप को डालकर स्कूली बच्चों से उस ड्रम्स से एक आवेदक एवं एक रिक्त भुखण्डों की स्लिप को निकलवाकर उसकी वीडियो रिकार्डिंग तथा फोटोग्राफी करायी गयी।

प्राधिकरण द्वारा लॉटरी में सम्मिलित आवेदकों की पर्चियों का पुर्नसत्यापन उपस्थित आवेदकों से कराया गया। ड्रॉ में समस्त श्रेणियों में 120 वर्गमीटर के 1200 भुखण्डों, 162 वर्गमीटर के 263 तथा 200 वर्गमीटर के 330 भूखण्ड पाने में सफल हुए। समस्त ड्रॉ लिस्ट प्राधिकरण की वेबसाईट www.yamunaexpresswayauthority.com पर प्रदर्शित की जा चुकी है जिसे आसानी से देखा जा सकता है। आवंटन पत्र निर्गत किये जाने सम्बन्धी कार्यवाही की जा रही है।

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आई.टी.आई.) का निर्माण कार्य प्रगति पर

प्राधिकरण क्षेत्र के समग्र विकास हेतु प्राधिकरण क्षेत्र में औद्योगिक की नीति को प्राथमिकता देकर वृहद स्तर पर औद्योगिक इकाईयां स्थापित की जानीहै। उद्योगों को चलाने के लिए औद्यागिक प्रशिक्षण में दक्ष लोगों की आवश्यकता होती है। प्राधिकरण क्षेत्र में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान लगभग नगण्य है।

उक्त के दृष्टिगत प्रधिकरण के मास्टर प्लान-2021 फेज-1 के अन्तर्गत औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान खोले जाने का निर्णय प्राधिकरण द्वारा लिया गया है। संस्थान के भवन निर्माण पर लगभग रू0 15.00 करोड़ एव उपकरण व (Tools & Equipment) क्रय किये जाने पर लगभग रू0 3.95 करोड़ का व्यय आना प्रस्तावित है। वर्तमान में प्रशिक्षण संस्थान की बाउन्ड्री वाल का कार्य प्रगति में है।

सैक्टर 17-ए में 33/11 के.वी. विद्युत उप केन्द्र का निर्माण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा 33/11 के.वी. उप केन्द्र (2X10 एम.वी.ए.) को निर्माण कराये जाने की योजना प्रस्तावित की गई है, जिसका शिलान्यास मुख्यमंत्री, उ.प्र. शासन, लखनऊ द्वारा दिनांक 02.04.2013 को किया गया। विद्युत उप केन्द्र का निर्माण पी.वी.एन.एल. द्वारा कराया गया है। जिसकी अनुमानित लागत 06.95 करोड़ तथा उक्त विद्युत उपकेन्द्र 1500 वर्गमीटर में स्थापित है।

उक्त विद्युत उप केन्द्र के बन जाने से 20 एम.वी.ए. विद्युत आपूर्ति का वितरण किया जा सकेगा, जिससे यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सैक्टर 17 एवं 17ए में विद्युत आपूर्ति की जानी प्रस्तावित है। वर्तमान में सैक्टर 17 ए के अन्तर्गत निर्मित गलगोटिया यूनिवर्सिटी व नौएड़ा इन्टरनेशनल यूनिवर्सिटी इत्यादि में विद्युत आपूर्ति की जानी है। इस विद्युत उपकेन्द्र के निर्माण से सेक्टर-17 व 17ए में विद्युत आपूर्ति सुगम होगी।

कृषकों को आवंटित सात प्रतिशत आवासीय भूखण्डों का विकास

प्राधिकरण द्वारा विकास हेतु अधिग्रहीत की गयी भूमि से संबंधित काश्तकारों को प्राधिकरण की नीति अनुसार सात प्रतिशत आवासीय भूखण्ड दिये जाने का प्राविधान है। प्राधिकरण द्वारा जिन ग्रामों की अधिकांश भूमि का अधिग्रहण कर लिया गया है, उन गांवों के काश्तकारों को सात प्रतिशत आवासीय भूखण्ड दिये जाने की कार्यवाही प्रगति में है। प्राधिकरण द्वारा ग्राम सालारपुर, गुनपुरा, मूंजखेड़ा, अट्टागुजरान, औरंगपुर, बेलाकलां, मथुरापुर, फतेहपुरअट्टा आठ ग्रामों से संबंधित काश्तकारों को सैक्टर-25 (100 एकड़ भूमि) में आवासीय भूखण्डों का आवंटन किया गया है। उक्त सैक्टर में आंतरिक सर्विसेज-सड़क, सीवरेज, वाटर सप्लाई इत्यादि के कार्य कराये गये हैं। उक्त परियोजना पर लगभग रू0 23.44 करोड़ का व्यय किया जा चुका है।

साइकिल ट्रैक

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा यमुना एक्सप्रेसवे के सामानान्तर चैनेज 7.10 किमी0 से चैनेज 22.30 किमी0 तक 60.00 मीटर चौडी सड़क का निर्माण कराया जा चुका है। वर्तमान में बढ़ते हुए यातायात, प्रदूषण व सड़क दुर्घटना के दृष्टिगत मोटर चालित वाहनों के अतिरिक्त साईकिल के प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रथम चरण में यमुना एक्सप्रेसवे के समानान्तर निर्मित 60.00 चौड़ी सडक के अन्तर्गत 2.50 मीटर चौड़ी साईकिल ट्रैक का निर्माण कराया जा रहा है। साइकिल ट्रैक का निर्माण उच्च स्तरीय मानकों के अनुरूप कराया जा है। उक्त साईकिल ट्रैक की कुल लम्बाई 10.50 किमी0 है। जिसका 98 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष कार्य प्रगति में है, जिसे दिनांक 31.05.2016 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है।

पुलों का निर्माण कार्य

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र से जेवर डिस्ट्रीब्यूटरी कैनाल गुजरती है। इस कैनाल पर सुगम आवागमन हेतु 06 नग ऊपरगामी पुलों का निर्माण निर्माणदायी संस्था उ0 प्र0 राज्य सेतु निगम लि0 द्वारा कराया जा रहा है। उक्त पुलों के बन जाने से क्षेत्र का विकास तीव्र गति से हो रहा है। वर्तमान में स्थानीय निवासियों द्वारा इसका उपयोग किया जा रहा है। उक्त परियोजना पर लगभग रू0 52.79 करोड़ का व्यय किया जा चुका है।

समीक्षा बैठक

डा. अरुणवीर सिंह
मुख्य कार्यपालक अधिकारी

प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डा. अरुणवीर सिंह ने दिनांक 19 मई 2016 को विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। इस बैठक में नियोजन, परियोजना, भूलेख, संपति, विद्युत, विधि, उद्यान, परिसंपति आदि विभाग के अधिकारी सम्मलित हुए। जिसमें मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा मेट्रो रेल परियोजना की अद्यतन स्थिति, धनौरी वेटलैण्ड, आईटीआई, विद्युत सबस्टेशन, अफोर्डेबल भवन, 18/24 मीटर रोड, शॉपिंग कॉपलेक्स, रोड नं0-12, 13 एवं 14 के संबंध में कार्रवाई करने तथा अद्यतन स्थिति से अवगत कराने का निर्देश दिए गए।

सड़कों का निर्माण

प्राधिकरण द्वारा मास्टर प्लान की मुख्य सड़कों की डिजाईनिंग एवं ड्राइंग कराकर निर्माण कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है। सड़कों पर भविष्य की प्लानिंग ध्यान में रखते हुए कैरिज-व, सबकैरिज-वे तथा सेंट्रल वर्ज इत्यादि नवीनतम तकनीक के आधार पर सभी जन सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है, जिससे आम जनता को लाभ मिल सकें। वर्तमान में सैक्टर-17ए, 18, 20, 22, 24 व 32-33 के पेरीफेरल सड़कों का निर्माणकार्य प्रगति में है। इसके अतिरिक्त आन्तरिक विकास कार्य की कार्रवाई की जा रही है।

उद्यानीकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा सुनियोजित विकास कराये जाने का लक्ष्य है। प्राधिकरण द्वारा यमुना एक्सप्रेसवे के सामानान्तर दोनों ओर प्रस्तावित 50-50 मीटर चौड़ी ग्रीनबेल्ट को विकसित किया जा रहा है जिसमें लगभग 10,020 नग पेड़-पौधों का वृक्षारोपण किया गया है।

प्राधिकरण की विभिन्न सड़को के सैन्ट्रलवर्ज, पटरियों एवं ग्रीन बैल्ट इत्यादि में उद्यान विभाग द्वारा लगभग 72,000 पेड़-पौधों का पौधारोपण किया जा चुका है जिससे प्राधिकरण का क्षेत्र हरा-भरा बना हुआ है। प्राधिकरण द्वारा शासन की नीति अनुसार आगामी वर्षो में और पेड़-पौधे लगाये जाने का लक्ष्य है।

संपर्क

वेबसाइट
www.yamunaepresswayauthority.com
ई-मेल queries@yamunaepresswayauthority.com
कस्टमर रिलेशन (सीआर) सेल
0120-2395157, 2395152

मुद्रक एवं प्रकाशक : यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण,
पता : प्रथम तल कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, ब्लॉक पी-2, सेक्टर-ओमेगा-वन,
ग्रेटर नोएडा, जनपद-गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश।